भजन

सबसे सुन्दर सबसे प्यारा,है तेरा दरबार
बना रहे यूं हमसे प्रीतम सदा सदा तेरा प्यार
तेरा दरबार न छूटे,प्यार की तार न टूटे

1- तुमसे नेह लगा के,पाये सुख हम सारे
तुम मिल गए पिया जी,जागी आतम हमारी
कहाँ मिलेगा ऐसा सच्चा,बिन स्वार्थ का प्यार

2- तुम हो मेहर के सागर,लाये अर्श खजाना
तुमने सिखाया जीना,सच की राह पे चलना
बिना तुम्हारे सपने में भी,जीना है बेकार

3- तेरे श्री चरणों में,बहती प्रेम की धारा
बैठी है सब मिलकर,वोह मूलमिलावा हमारा
यहाँ झुका कर सर को अपने,पाया धनी का प्यार